

पाठ -१ कक्षा 8 वी

मेरा देश महान बने कविता का सारांश

इस कविता के कवि श्री उदय शंकर भट्ट जी ने राष्ट्रीय प्रेम और अखंडता की कामना का भाव प्रस्तुत किया है साथ ही यह इच्छा भी प्रकट की है कि युवाओं और देशवासियों का लक्ष्य और उद्देश्य देश की महानता को बनाए रखना है देश की महानता को ध्यान में रखते हुए जीना और मरना है देश का युवक शूरवीर हो शेरों के समान ताकतवर हो देश की आन बान और शान के लिए कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी विशाल अटैक हिमालय जैसे हौसले हूं जो कि वज्र के समान हो और अवसर आने पर अपने प्राणों को हंसते-हंसते हंसते-हंसते देश पर न्योछावर कर दें इस की महानता पर आंच ना आने दे ।

एक ध्येय हो , , मेरा देश महान बने ।

संदर्भ :- प्रस्तुत पद मेरा देश महान बने कविता से लिया गया है यह कविता हमारी हिंदी पाठ्यपुस्तक *'सुगम भारती'* कक्षा आठ (आठवीं) से ली गई है इस कविता के कवि (रचनाकार) उदय शंकर भट्ट जी हैं

प्रसंग:- प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने युवा वर्ग के मन में देश के प्रति उनके कर्तव्यों (सहभागिता) को निभाने राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करने की बात कही है ।

भावार्थ :- कवि कहते हैं कि, हमारे देश के युवकों का केवल एक ही उद्देश्य और लक्ष्य होना चाहिए ।

सभी के मन में देश कल्याण की भावना हो और सभी एक समान नियमों का पालन करते हुए देश को महान बनाएं।

उनका एकमात्र लक्ष्य हो हमारे देश को विकासशील और सजीव रूप देने के लिए एकता का भाव निर्मित करना आवश्यक है चाहे फिर हमारी वाणी, भाषा, वेशभूषा अलग-अलग ही क्यों ना हो । हमारे विचारों में देश की श्रेष्ठता का रूप हिमालय पर्वत की तरह अडिग और विशाल होना चाहिए । सभी के जीवन का एकमात्र लक्ष्य देश की उन्नति, प्रगति के साथ जीना मरना हो ।

विशेष :- १) भारत देश को महान बनाने के उपाय बताए गए हैं ।

२) भारत देश की एकता की विशेषताओं का वर्णन किया गया है ।

३) भाषा सरल और सहज है ।

- ४) कवि ने राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत किया है ।
- ५) कविता में प्रत्यय और उपसर्ग शब्दांशों का प्रयोग किया गया है ।

सिंहों से लड़ने वाले हो , , मेरा देश महान बने ।

संदर्भ :- प्रस्तुत पद 'मेरा देश महान बने' कविता से लिया गया है यह कविता हमारी पाठ्यपुस्तक 'सुगम भारती' कक्षा आठ (आठवीं) से ली गई है इस कविता के कवि 'उदय शंकर भट्ट' जी हैं ।

प्रसंग :- प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने अपने देश को महान बनाने के लिए देशवासियों को अपनी वीरता का परिचय देने की बात की है

भावार्थ :- देश के युवकों को देश की उन्नति और प्रगति के लिए अपने आप को शक्तिशाली और बलवान बनाना होगा, ठीक उसी तरह जैसे अपने आप का वर्चस्व स्थापित करने के लिए सिंह (शेर) होते हैं । आवश्यकता पड़ने पर अपने संकल्पों को पूरा करने के लिए अडिग हो , वे खुशी-खुशी मौत को भी मात दे दे । कठिन से कठिन परिस्थिति में भी डरे नहीं बल्कि डटे रहें और आगे बढ़ें । शत्रुओं के लिए वज्र (लेहे) के समान कठोर हो और अपने प्रिय देश के लिए फूलों की तरह नम्र हो कर मुस्कुराते रहे । ऐसे ही अद्भुत वीरों से हमारा देश महान बन सकता है ।

विशेष :- १) पद में वीर रस के भाव है ।

२) भाषा सरल और सहज है ।

३) कविता में पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार का प्रयोग किया गया है ।

उठे, देश के लिए उठे हम ,....., मेरा देश महान बने।

संदर्भ :- प्रस्तुत पद 'मेरा देश महान बने' कविता से लिया गया है। यह कविता हमारी पाठ्यपुस्तक 'सुगम भारती' कक्षा आठ (आठवीं) से ली गई है इस कविता के कवि 'उदय शंकर भट्ट' जी हैं।

प्रसंग प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने अपने देश को महान बनाने के लिए अपना सर्वस्व (त्याग, बलिदान) देश को समर्पित करने का भाव प्रस्तुत किया है।

भावार्थ :- कवि कहते हैं कि देश हित के लिए हमें जीना, मरना है इस भावना को हर युवा को अपने मन में सदा के लिए जागृत रखना है। और हमेशा ध्यान रखना है कि, हमारा जीना मरना इस देश की प्रगति, विकास कल्याण के लिए ही हो चाहे फिर अपना सब कुछ ही क्यों ना देश के नाम करना हो अपनी आन, बान, शान। किसी भी कीमत पर देश को महिमावान बनाना है। चाहे फिर हमें अपने प्राण ही क्यों ना कुरबान करना पड़े। इसी भाव के साथ ही हम अपने देश को महान बनाने में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

विशेष :- १) देश को महान बनाने के लिए सच्ची देशभक्ति की बात की है।

२) युवाओं के मन में देश के प्रति समर्पण का भाव जागृत किया है।

३) प्रेरणादायक प्रसंग है

४) भाषा सरल एवं सहज है

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न -१) देशवासियों का केवल एक ध्येय क्या होना चाहिए ?

उत्तर :- देशवासियों का केवल एक ध्येय होना चाहिए कि हमें भारत की महिमा, एकता, अखंडता को बनाए रखना है और इसे हिमालय पर्वत के समान अडिग को और ऊंचा बनाए रखना है ।

प्रश्न -२) देशवासियों को सदैव किस बात का ध्यान रखना चाहिए ?

उत्तर :- देशवासियों को सदैव अपने बड़प्पन और श्रेष्ठता का ध्यान रखना चाहिए ।

प्रश्न -३) कवि के अनुसार जीवन कैसा होना चाहिए ?

उत्तर :- कवि के अनुसार जीवन केवल देश हित के लिए ही होना चाहिए । सभी का जीवन एक समान सहज, सरल और उद्देश्य पूर्ण होना चाहिए ।

प्रश्न -४) दुश्मन के सामने हमें कैसा बन जाना चाहिए ?

उत्तर :- दुश्मन के सामने हमें वज्र के समान कठोर बन जाना चाहिए ताकि दुश्मन के हर वार को हम हंसते-हंसते झेल सकें ।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न -१) कवि युवकों को कैसा बनने की प्रेरणा देते हैं ?

उत्तर :- कवि युवकों को देशभक्त बनने और आपस में राष्ट्रप्रेम की भावना रखने और राष्ट्रीयता की भावना जागृत कर तन-मन से अपने देश की सेवा करके इसे हमेशा महान बनाने और ऊंचा उठाए रखने की प्रेरणा देते हैं ।

प्रश्न -२) 'हंसते-हंसते मौत मसलकर आसमान चढ़ने वाले हो' से कवि का क्या आशय है ?

उत्तर :- 'हंसते-हंसते मौत मसलकर आसमान चढ़ने वाले हो' से कवि का आशय यह है कि सच्चे देश प्रेमी अपने देश के लिए मौत तक की परवाह ना करते हुए अपनी देशभक्ति पर कभी भी आंच नहीं आने देते हैं ।

प्रश्न -३) कवि को देशवासियों से क्या अपेक्षाएं हैं ?

उत्तर :- कवि को देश अपने देशवासियों से बड़ी-बड़ी अपेक्षाएं हैं , उसे अपने देशवासियों से अपेक्षा है कि अपने देश के लिए अपनी श्रेष्ठता को ध्यान में रखते हुए अपने जीवन को मरण वरण के समान बनाए हुए यही लक्ष्य बनाना है, कि हमेशा आगे बढ़ना है और हंसते-हंसते मौत का सामना करते हुए शत्रुओं को हराना है और अपना सर्वस्व त्याग-बलिदान देश के लिए करना है ।

प्रश्न -४) देश की एकता और अखंडता के लिए कवि ने कौन-कौन से सूत्र दिए हैं ?

उत्तर :- देश की एकता और अखंडता के लिए कवि ने निम्नलिखित सूत्र दिए हैं -

१) सभी देशवासियों का केवल यही ध्येय होना चाहिए कि हमारा देश महान बने ।

२) सभी में परस्पर एकता, अखंडता और कल्याण की भावना रहे ।

३) पूरे देश का शासन-विधान सभी के लिए एक समान होना चाहिए ।

४) देश में सभी में देश प्रेम, वीरता, मित्रता, सहभागिता का भाव होना चाहिए ।